सर्राफा बाजार में कमजोरी का रुख, सोना-चांदी के भाव में मामूली गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। की कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 86,060 रुपये से लेकर 86,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 78,890 रुपये से लेकर 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इस कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 78,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 78,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 86,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 78,890 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 78,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 86,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 78,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 86,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 78,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

वीवो टी4एक्स 5जी में दमदार बैटरी के साथ दमदार परफॉर्मेंस

नई दिल्ली। वीवो भारत में अपना नया स्मार्टफोन वीवे व्ही50 लॉन्च करने वाला है। इसी बीच कंपनी ने अपनी टी सीरीज के नए फोन वीवो टी4एक्स 5जी को टीज करना शुरू कर दिया है। टीजर के मुताबिक, यह फोन अपने सेगमेंट में सबसे बड़ी बैटरी ऑफर कर सकता है, जो 6500एमएएच की हो सकती है। इसके अलावा, फोन की कीमत 15 हजार रुपये से कम हो सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह डिवाइस 20 फरवरी को भारत में लॉन्च होगा। हाल में आई एक लीक में दावा किया गया था कि वीवो टी4एक्स 5जी में कंपनी डाइमेंसिटी 7300 चिपसेट देने वाली है। इसके अलावा, फोन डायनामिक लाइट और नोटिफिकेशन एलईडी के साथ आ सकता है। यह स्मार्टफोन प्रॉन्टो पर्पल और मरीन ब्लू कलर ऑप्शंस में उपलब्ध होगा। माना जा रहा है कि यह वीवो टी3 एक्स 5जी का सक्सेसर होगा। वीवो टी3 एक्स 5जी में 6.72 इंच का फुल एचडी और आईपीएस एलसीडी डिस्प्ले दिया गया था, जो 120एचजेड रिफ्रेश रेट और 1000 निट्स पीक ब्राइटनेस को सपोर्ट करता है। फोटोग्राफी के लिए इसमें 50एमपी+2एमपी का डुअल रियर कैमरा और 8एमपी सेल्फी कैमरा था। फोन में 6000एमएएच बैटरी के साथ 44 डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट भी मिला था। अब देखना होगा कि वीवो टी4 एक्स 5जी में और कौन-कौन से फीचर्स जोड़े जाते हैं और यह मार्केट में क्या धमाल मचाता है।

राजस्थान सरकार ने गठित किया 200 करोड़ रुपये का ई-व्हीकल प्रमोशन फंड

जयपुर। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और आमजन को राहत देने के लिए राजस्थान सरकार ने नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत 200 करोड़ रुपये का ई-व्हीकल प्रमोशन फंड गठित किया है। परिवहन विभाग के अनुसार, इस योजना का लाभ केवल उन्हीं वाहनों को मिलेगा जो राजस्थान में खरीदे और पंजीकृत किए जाएंगे। इस नीति के तहत 1 सितंबर 2022 से खरीदे और पंजीकृत किए गए इलेक्ट्रिक वाहनों पर स्टेट जीएसटी राशि का पुनर्भरण और एकमुश्त अनुदान दिया जाएगा। सब्सिडी के लिए सबसे पहले वाहन निर्माता को फेम-2 पॉलिसी के तहत विभागीय पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। वाहन मालिकों को अपने वाहन का पंजीकरण क्रमांक और चेसिस नंबर दर्ज करना होगा, जिसके बाद ओटीपी के माध्यम से सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद बैंक खाते का विवरण और आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर आवेदन जमा करना होगा। अनुदान राशि सीधे वाहन स्वामी के खाते में हस्तांतरित की जाएगी। इस योजना के तहत हर श्रेणी के वाहनों की एक तय सीमा के अनुसार प्रोत्साहन दिया जाएगा। सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद वाहन का मॉडल, बैटरी का प्रकार और क्षमता पोर्टल पर दर्ज करनी होगी, जिसके बाद खरीदार अनुदान राशि के लिए आवेदन कर सकेंगे।

मारुति सुजुकी के लोकप्रिय मॉडल डिजायर की कीमतों में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। अपने लोकप्रिय मॉडल डिजायर की कीमतों में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने बढ़ोतरी कर दी है। नई डिजायर की शुरुआती कीमत रुपए 6.79 लाख (एक्स-शोरूम) थी, लेकिन फरवरी 2025 में इसके कुछ वेरिएंट्स के दाम रुपए 5,000 से रुपए10,000 तक बढ़ा दिए गए हैं। वीएक्सआई एएमटी और झेडएक्सआई एएमटी वेरिएंट्स की कीमतों में रुपए 10,000 की वृद्धि हुई है, जबकि अन्य वेरिएंट्स की कीमतें रुपए 5,000 तक बढ़ी हैं। नई डिजायर को अपडेटेड डिजाइन और एडवांस फीचर्स के साथ बाजार में उतारा गया है। यह कार सात कलर ऑप्शंस में उपलब्ध है, जिनमें गालांट रेड, पर्ल आर्टीक व्हाइट, स्पलेंडिड सिल्वर, मेग्मा ग्रे, ब्लूनिस ब्लैक, नटमेग ब्राउन और अल्लूरिंग ब्ल्यू शामिल हैं। इसमें एलईडी हेडलाइट्स, डुअल-टोन इंटीरियर, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स, 360-डिग्री कैमरा, वायरलेस चार्जर और इलेक्ट्रिक सनरूफ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। नई डिजायर में झेड12ई इंजन दिया गया है, जो 82 हॉर्सपावर और 112 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

एपीडा ने ऑस्ट्रेलिया को भारतीय अनार की पहली समुद्री खेप भेजने में मदद की

नई दिल्ली

भारत के कृषि निर्यात के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने एग्रोस्टार और केबी एक्सपोर्ट्स के साथ मिलकर समुद्र के रास्ते ऑस्ट्रेलिया को क्रमशः प्रीमियम सांगोला और भगवा अनार की भारत की पहली वाणिज्यिक परीक्षण खेप सफलतापूर्वक पूरी की। यह भारतीय ताजा उपज के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करने में एक बड़ी सफलता है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार भारतीय अनार के निर्यात के लिए बाजार तक पहुंच प्राप्त करने के बाद फरवरी 2024 में ऑस्ट्रेलिया को अनार के निर्यात के लिए एक कार्य योजना और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) पर हस्ताक्षर किए गए। एपीडा और राष्ट्रीय पौध संरक्षण संगठन (एनपीपीओ) द्वारा सफल बाजार पहुंच सुविधा के बाद जुलाई 2024 में पहली हवाई शिपमेंट हुई। हवाई शिपमेंट ने बाजार की मांग का आकलन करने में मदद की, जिसके कारण लागत दक्षता को अनुकूलित करने के लिए समुद्री शिपमेंट का अनुसरण किया गया।

पहली समुद्री माल ढुलाई शिपमेंट 6 दिसंबर, 2024 को भारत से रवाना हुई और 13 जनवरी, 2025 को सिडनी पहुंची, जिसमें महाराष्ट्र के सोलापुर क्षेत्र से प्राप्त 5.7 मीट्रिक टन (एमटी) अनार थे। इन्हें 1,900 बक्सों में पैक किया गया था, जिनमें से प्रत्येक में 3 किलोग्राम प्रीमियम फल थे। भगवा किस्म के 1,872 बक्से (6.56 टन) ले जाने वाला एक और वाणिज्यिक समुद्री शिपमेंट 6 जनवरी, 2025 को ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन पहुंचा। बल्क समुद्री शिपमेंट के उपयोग ने प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण सुनिश्चित किया, किसानों को लाभ पहुंचाया और स्थायी व्यापार के अवसर पैदा किए। दोनों शिपमेंट को भारत की ट्रेसेबिलिटी प्रणाली अनारनेट (ख्रह्लश्ज्ञ) में एकीकृत किया गया, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हुई और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उपभोक्ता का विश्वास बना। यह सफल निर्यात न केवल वैश्विक गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में भारत की क्षमताओं को रेखांकित करता है, बल्कि नए राजस्व स्रोतों को खोलकर भारतीय किसानों को महत्वपूर्ण बढ़ावा भी देता है। अनार को सिडनी, ब्रिसबेन और मेलबर्न में अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का कृषि निर्यात परिदृश्य अभूतपूर्व गति से बढ़ रहा है, जिसमें ताजे फलों का निर्यात साल-दर-साल 29प्रतिशत बढ़ रहा है।

ट्रंप प्रशासन के टैरिफ प्रभाव पर भारतीय निर्यात की उम्मीदें

नई दिल्ली। व्यापार प्रतिबंधों के चिंताओं के बावजूद, भारतीय निर्यात पर अमेरिका के द्वारा लगाए गए टैरिफ का प्रभाव अब न्यूनतम रहने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के 15-20 फीसदी के टैरिफ के बावजूद भारतीय निर्यात में केवल 3-3.5 फीसदी की कमी होने का अनुमान है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय निर्यात में रणनीतिक विविधता और नए व्यापार मार्गों की खोज के द्वारा इस प्रभाव का संभावित प्रभाव भरपूर रहेगा। भारत की निर्यात रणनीति लगातार विकसित हो रही है और देश विभिन्न क्षेत्रों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहा है। टैरिफ संरचनाओं में परिवर्तन देश की व्यापार नीति को मजबूत कर रहा है और भारतीय सामान वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए उत्पादों के मूल्य को बढ़ाने में मदद कर रहा है। इसके अतिरिक्त, भारत अमेरिका, यूरोप और मध्य पूर्व के साथ वैकल्पिक व्यापार मार्गों पर भी काम कर रहा है जो देश की रसद लागत कम कर सकता है और अंतराष्ट्रीय व्यापार में उसकी स्थिति को मजबूत कर सकता है। नई आपूर्ति श्रृंखला विकसित होने से भारत के निर्यात में वृद्धि की उम्मीद है और व्यापार मार्गों की नई खोज ने देश को सुरक्षित रखने में मदद की है। समर्थन और निर्यात प्रौद्योगिकियों के प्रयासों से, भारत अपनी निर्यात क्षमता में वृद्धि कर सकता है और अमेरिका के टैरिफ खत्म होने का उम्मीदवार बन सकता है। इससे देश की आर्थिक वृद्धि और उत्कृष्टता में सुधार हो सकता है, साथ ही व्यापारिक मुद्दों का भी समाधान हो सकता है।

आधुनिक फीचर्स से लैस है मार्वल इलेक्ट्रिक स्कूटी

नई दिल्ली

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी मंत्रा की मार्वल इलेक्ट्रिक स्कूटी बेहतरीन विकल्प है, जो न केवल सस्ती है बल्कि आधुनिक फीचर्स से भी लैस है। यह इलेक्ट्रिक स्कूटी 60 वोल्ट की लेड-एसिड बैटरी के साथ आती है, जो 6 से 7 घंटे में पूरी तरह चार्ज हो जाती है और एक बार चार्ज करने पर 100 किलोमीटर तक चल सकती है। इसकी अधिकतम स्पीड सीमित है, जिससे यह सुरक्षित और किफायती साबित होती है। इस स्कूटी की कीमत मात्र 48,000 रुपये रखी गई है, जिससे यह बजट फ्रेंडली विकल्प बन जाती है। मार्वल स्कूटी में स्टाइलिश ब्लैक लोडर, एलईडी लाइट, डिजिटल डिस्प्ले, दोनों तरफ पायदान और पीछे कैरियर दिया गया है, जिससे इसमें सामान रखना आसान हो जाता है। इसके अलावा, इसमें विशेष ब्रेकर लगाए गए हैं, जिससे टायरों से उछलने वाली मिट्टी मुख्य बॉडी तक नहीं पहुंचती।

इस स्कूटी का चार्जिंग पॉइंट भी बेहद सरल बनाया गया है, जिससे इसे कोई भी आसानी से चार्ज कर सकता है। अगर आप कम कीमत में एक किफायती और शानदार इलेक्ट्रिक स्कूटी की तलाश में हैं, तो मंत्रा की यह स्कूटी बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है।

होम लोन पर ब्याज के खिलाफ एसआईपी का फॉर्मूला

मुंबई। आरबीआई के रेपो दर घटाने के बाद से कई बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती की है। यह उन लोगों के लिए भी बड़ी राहत है, जो पहली बार मकान खरीदने की योजना बना रहे हैं। अगर आप भी होम लोन लेकर मकान खरीदना चाहते हैं, तो तय करें कि किस ब्याज दर पर कितने साल के लिए कितना कर्ज लेना है। इस बात की भी गणना करें कि ऋण अवधि के दौरान आपको अपने कर्ज पर कितना ब्याज चुकाना होगा। गणना करने पर यह समझ में आ जाएगा कि आप जितना कर्ज ले रहे हैं, उससे ज्यादा आपको ब्याज चुकाना पड़ेगा। ब्याज के रूप में होने वाले इस नुकसान की भरपाई के लिए आप एसआईपी के 15 फीसदी फॉर्मूले का इस्तेमाल कर सकते हैं। पूरी कर्ज अवधि के दौरान चुकाए जाने वाले ब्याज का बोझ कम करने में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) का 15 फीसदी का फॉर्मूला काफी मददगार साबित हो सकता है। आप अपने होम लोन पर जितना ईएमआई चुकाते हैं, उसका 15 फीसदी हर महीने एसआईपी में डालना शुरू कर दें। कर्ज अवधि खत्म होते-होते आपके एसआईपी खाते में ब्याज राशि के बराबर या उससे ज्यादा रकम जमा हो जाएगी। मान लीजिए आपने एसआईपी में अपना मासिक योगदान बढ़ाकर 7,000 रुपये कर दिया। सालाना 12 फीसदी के अनुमानित रिटर्न पर यह योगदान 20 साल में बढ़कर 69,94,035 रुपये हो जाएगा। इसमें 53,14,035 रुपये का अनुमानित रिटर्न भी शामिल है।

कुवैत में इंटरनेशनल इंवेंशन फेयर

कुवैत में इंटरनेशनल इंवेंशन फेयर में भाग लेते हुए यूएई के इंवेंटर्स। इस 15 वें इंटरनेशनल इंवेंशन फेयर को लेकर मिडिल ईस्ट में जबरदस्त उत्साह है।

बाजार में इलेक्ट्रिक स्कूटी मचा रही धूम

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक स्कूटी भी धूम मचा रही है। हम आपको बताने वाले हैं एक स्कूटी के बारे में जो इलेक्ट्रिक होने के बावजूद भी अधिक वजन वाले समान को ढो सकेगी। तो आईए जानते हैं इस इलेक्ट्रिक स्कूटी की क्या है खासियत और इसकी बाजार में कीमत कितनी है और इसमें कौन-कौन से फीचर्स हैं।

इस इलेक्ट्रिक स्कूटी की खास बात यह है कि इसमें रिवर्स मोड भी उपलब्ध है। यानी कि यह स्कूटी बटन दबाने के बाद पीछे की ओर भी चली जाएगी इसके साथ ही इस स्कूटी को चार्ज होने में मात्र 5 घंटे लगेंगे और एक बार चार्ज करने के बाद लगभग 100 किलोमीटर तक चल सकेगी। वहीं अगर इसकी कीमत की बात की जाए तो यह 96 हजार रुपए की मिल जाएगी। इस स्कूटी में एक विशेष फीचर दिया गया है जिसमें यदि किसी समय स्कूटी खराब हो जाती है तो एक सेटिंग की बटन दी गई है वह सेटिंग को बटन दबाकर आप धीरे-धीरे अपने गंतव्य की ओर जा सकते हैं।

बता दें कि भारत में इलेक्ट्रिक स्कूटी की मांग तेजी से बढ़ रही है और सरकार का भी या प्रयास है कि पर्यावरण को डीजल और पेट्रोल से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाए। इसके लिए कंपनियां विभिन्न प्रकार के फीचर्स के साथ नई-नई इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च कर रही हैं।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी सांकेतिक बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। वहीं, यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उतार चढ़ाव के बीच खरीदारी का रुख बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,117.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.46 प्रतिशत उछल कर 20,037.25 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 44,570. 49 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

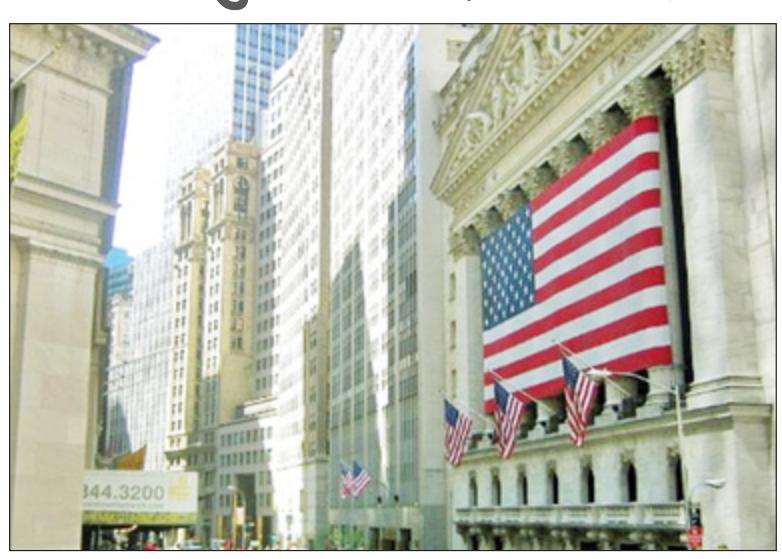

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान उतार-चढ़ाव होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,732.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,513.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,178.54 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,851 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 2.15 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 1,244.69 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 39,212.53 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.18 प्रतिशत उछल कर 22,661.90 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 126.73 अंक यानी 1.91 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,765.19 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 303.51 अंक यानी 1.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,456.12 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,895.44 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,606.14 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 3,348.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।